श्री आर.एन.झा, निदेशक (तकनीकी/आरउीएंडटी) का जीवनवृत्त

श्री रवीन्द्र नाथ झा (डीआईएन 05195902) भारतीय खनि विद्यापीठ, धनबाद से 1985 में खनन अभियांत्रिकी से स्नातक हैं। इन्होंने 1990 में डीजीएमएस से प्रथम श्रेणी माइन मैनेजर कम्पीटेंसी सर्टिफिकेट (कोल) प्राप्त किया है। ये एक प्रमुख क्वालिटि सिस्टम ऑडिटर भी हैं। और एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा धारक हैं।

इन्होंने अपने कैरियर की शुरूआत भारत के सबसे गहरे कोयला खान, ईसीएल के चिनाकुरी के पिट-1 एवं 2 से की है। इन्होंने स्टोविंग माइन सहित लौंगवाल में भी कार्य किया है। ईसीएल में 7 वर्षों तक अपनी सेवा देने के बाद वे 1992 में सीएमपीडीआई में पदभार ग्रहण किया। इन्होंने सीएमपीडीआई और इसके विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों के परियोजना मॉनीटरिंग/एप्रेजल डिविजन, खुली खदान खनन, भूमिगत खनन और पर्यावरण विभागों में कार्य किया है।

इन्होंने जनवरी, 2012 में निदेशक (तकनीकी) के रूप मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लिमिटेड में योगदान दिया।

- एमईसीएल को उनकी कार्य अवधि में मिनीरत्न (श्रेणी-।।) कंपनी का दर्जा प्राप्त हुआ।
- एमईसीएल 25 वर्षों के अंतराल के बाद 2014 में भारत सरकार को डिविडेंट (लाभांश) देना शुरू किया।
- एमईसीएल ने वर्ष 2012 में डीआरडीओ के लिए चुमाथन (लेह के निकट) में एक भू-तापीय परियोजना सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- इनके कार्यअवधि में वेधन वर्ष 2012 में 2.96 लाख मीटर से बढ़कर वर्ष 2018 में 6.32 लाख मीटर हो गया और पीएटी (PAT) रू.10 करोड़ से पढ़कर रू.95 करोड़ हो गया।
- एमईसीएल मार्च, 2018 में तीसरा वेतन समझोता करने वाली पहली पीएसयू है।
- एमईसीएल ने माननीय कोयला मंत्री श्री पीयूष गोयला और पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा फरवरी, 2018 में मिनी रत्न पीएसयू के बीच सर्वोत्तम वित्तीय कार्य निष्पादन के लिए **हिन्दुस्तान टाइम्स** द्वारा **" हिन्दुस्तान रत्न "** का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- इन्होंने फरवरी, 2018 में, मुंबई में आयोजित वर्ल्ड एचआर कांग्रेस द्वारा एचआर ओरिएंटेशन सहित सीईओ का प्रथम पुरसकार प्राप्त किया।

ये मिनरल एक्सप्लोरेशन और डेवलपमेंट माइनिंग से संबंधित विभिन्न समितियों में एमईसीएल और खान मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया। ये कनाडा, दुबई, पेरू आदि देशों का दौरा किया और मिनरल एक्सप्लोरेशन और माइनिंग से संबंधित अनेकों तकनीकी आलेख प्रस्तुत किए। सीएमपीडीआई में निदेशक (तकनीकी / रिसर्च, डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी) के रूप में 30.01.2019 को उनकी नियुक्ति हुई।